महानगर टेलीफोन निगम में वाहनों का दुरूपयोग

2895. **श्री शरद यादव : क्या संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संचार विभाग द्वारा महानगर टेलीफोन निगम में वाहनों के प्रयोग किए जाने संबंधी नियमों का पालन करने के सम्बन्ध में कोई जांच की गई है;

(ख) यदि हां, तो पिछले 4 वर्षों के दौरान की गई जांचों के क्या परिणाम रहे;

(ग) क्या सरकार को सरकारी वाहनों का दुरूपयोग किए जाने के संबंध में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(घ) यदि हां, तो इन शिकायतों की जांच के क्या निष्कर्ष रहे?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरधर गोमांगो) : (क) जी, नहीं। बहरहाल, वाहनों के दुरूपयोग की समय-समय पर जांच महानगर टेलीफोन निगम लि०, के सतर्कता स्कन्ध द्वारा की जाती है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता। प्रसंगवश महानगर टेलीफोन निगम लि. केवल 1.4.1986 से ही अस्तित्व में आया है।

(ग) जी हां।

(घ) गलती करने वाले कर्मचारी के विरूद्ध कार्रवाई की गई है।

उत्तर प्रदेश में देर से तार पहुंचने संबंधी शिकायतें

2896. **श्री शरद यादव** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भेजे जाने वाले तार अपने गन्तव्य स्थान पर 24 घन्टों के भीतर नहीं पहुंचते;

(ख) यदि हां, तो पिछले 2 वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में देर से तार पहुंचने की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ग) इस संबंध में प्राप्त शिकायतों में मुख्य मुद्दा क्या था; और

(घ) इन शिकायतों पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है और उसके क्या परिणाम निकले हैं?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरधर गोमांगो) : (क) ग्रामीण क्षेत्रों में भेजे गए अधिकांश तार बुकिंग के समय से 24 घंटे के भीतर अपने गंतव्य स्थान तक पहुंच जाते हैं।

(ख) उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में तारों के वितरण में हुई देरी से संबंधित शिकायतों की संख्या वर्ष 1987 एवं 1988 में क्रमशः 117 और 141 थी।

(ग) इन शिकायतों का प्रमुख कारण प्रशिक्षित सिगनलरों की कमी, राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा अनियमित पावर सप्लाई तथा तार लाइनों/मशीनों की अपर्याप्तता है।

(घ) अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने तथा वैकल्पिक इंजन तैयार रखने की व्यवस्था के लिए कदम उठाए गए हैं। अप्रचलित मोर्स उपकरणों को इलेक्ट्रानिक को-बोर्डो में बदलने के लिए एक आधुनिकीकरण का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

Unutilisation of capacity by cement industries

2897. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that he has criticised the cement industry for its inefficient capacity utilisation;

(b) if so, whether a number of cement industries have not used their capacity;

(c) if so, what are the main reasons for the same and whether Central Government have taken any action against such cement industries; and